

अंतर्निहित मूल्य द्वारा ही अपराध मुक्त होगा समाज

‘अपराध से मुक्त समाज’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

नवसारी। कड़े से कड़े कायदे व नियम बनाने के बावजूद लोगों को सुधारा नहीं जा पा रहा है, समाज को अपराध से मुक्त नहीं किया जा सका है। उक्त विचार अतिरिक्त जिला न्यायाधीश एम.जी. पराशर ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा न्यायविदों के लिए ‘अपराध से मुक्त समाज’ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि लॉ की पुस्तक में स्थित प्रज्ञ की बात विशेष अंडरलाइन की गई है जो ब्रह्माकुमारी संस्था के ज्ञान व योग द्वारा ही सम्भव है। इससे हर इंसान यह दिल से महसूस करे कि मुझे किसी के लिए विघ्न रूप नहीं बनना है तभी समाज सुधर सकता है। मुख्य वक्ता के रूप से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.पुष्पा, दिल्ली,



कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हैं एम.जी. पराशर, दीपक गुप्ता, ब्र.कु. पुष्पा व ब्र.कु. गीता।

डायरेक्टर, ब्रह्माकुमारी ज्युरिस्ट विंग अमीर हो या गरीब, छोटा हो या बड़ा सभी अपराध अच्छा नहीं है। ने कहा कि समाज का हर वर्ग चाहे वह के अंदर से यही आवाज़ निकलता है कि स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका

ब्र.कु.गीता ने कहा कि परमात्मा सबसे बड़ा न्यायकर्ता है तभी कहा जाता है कि भगवान के घर देर है अंधेर नहीं। आप सभी जज व वकील भी न्याय दिलाने का कार्य करते हैं तो आप भी मा.गॉड हो गए। जब हम इतनी बड़ी जिम्मेवारी अपनी समझेंगे तो अवश्य ही समाज अपराधमुक्त भी हो पायेगा। आज की परिस्थिति से उबारने में आध्यात्मिकता ही एकमात्र साधन है जिससे अंतर्निहित मूल्य बाहर निकलते हैं अर्थात् व्यवहार में आने लगते हैं।

बॉर एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उपयोगी बताया।

‘फर्स्ट स्टेप टू सक्सेस’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

गुड़गाँव। ब्रह्माकुमारी ज्युरिस्ट विंग के रिट्रीट सेन्टर में कॉलेज के स्टूडेंट्स के लिए ‘फर्स्ट स्टेप टू सक्सेस’ विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गुड़गाँव एवं आस-पास के कॉलेज से लगभग 800 स्टूडेंट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से माइन्ड मेमोरी ट्रेनर एवं गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर अदिती सिंघल ने स्टूडेंट्स को मेमोरी बढ़ाने के साथ-साथ वैदिक गणित के द्वारा कितनी भी कठिन गणना को सेकण्ड्स में हल करने की सुन्दर विधि बताई। उन्होंने बताया कि हमारी मेमोरी तब अच्छी होती है, जब हम

रहे हों। जो हम देखते हैं वो हमें जल्दी याद होता है। कोई भी नई इन्फोरमेशन हमें तभी याद रहती है, जब हम पुरानी के

अलग-अलग समय निश्चित कर लेना चाहिए। दूसरा हम शारीरिक व्यायाम अवश्य करें, क्योंकि व्यायाम से दिमाग

एन्साइक्लोपीडिया के बराबर क्षमता है, लेकिन मेमोरी व्यवस्थित न होने के कारण समय पर हमें चीज़ें याद नहीं आतीं।

अलग होकर अपने भीतर जाते हैं, अपने संकल्पों को चेक करते हैं और उन्हें शुद्ध एवं सकारात्मक बनाते हैं। जितना हमारे संकल्प सकारात्मक होते हैं, उतनी एकाग्रता जल्दी होती है। एकाग्र मन ही किसी भी कार्य में जल्दी सफलता प्राप्त कर सकता है।

ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने अपने आशीर्षचन में कहा कि आप सब विद्यार्थी हैं और जीवन भर विद्यार्थी ही बनकर रहना है। आपके अन्दर सदा सीखने की भावना रहनी चाहिए। जिस दिन व्यक्ति ये सोच लेता है कि मैंने सब कुछ सीख लिया है, उस दिन उसकी उन्नति रुक जाती है। उन्होंने कहा कि अगर हमें सफलता प्राप्त करनी है तो हमारे अन्दर सुनने की कला का होना बहुत आवश्यक है। वैसे भी भगवान ने हमें दो कान दिए हैं और मुख एक ही दिया है, जिसका अर्थ है कि हम कम बोलें लेकिन सुनें अधिक। एकाग्रता का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। एकाग्रता के द्वारा ही हम बड़े से बड़े लक्ष्य को भी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने विचारों को इतना सुन्दर बनाना है, जो किसी के प्रति भी हमारे मन में ईर्ष्या, द्वेष एवं नफरत की भावना न हो। जो हम दूसरों को देते हैं, हमें वही प्राप्त होता है। आप सब जो यहाँ पर आए हैं, जाने के बाद अपने अन्दर ये अवश्य विचार करना कि हमने क्या सीखा ?

उसे अपने मात-पिता के साथ बाँटे। आपको सदा ही बड़ों का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि बड़ों के आशीर्वाद एवं दुआओं से जीवन में सहज ही सफलता प्राप्त होती है।

- हमारी मेमोरी तब अच्छी होती है, जब हम एकाग्र होकर किसी कार्य को करते हैं।
- हम जो सुनते हैं, उसे मन में देख पा रहें हों। जो हम देखते हैं वो हमें जल्दी याद होता है।
- नई इन्फोरमेशन हमें तभी याद रहती है, जब आप उसे पुरानी के साथ एसोसिएट करते हैं।
- मेमोरी बढ़ानी है, तो एक समय में एक ही कार्य करना चाहिए।
- प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग समय निश्चित कर लेना चाहिए।
- जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वयं पर विश्वास होना बहुत ज़रूरी।

साथ एसोसिएट करते हैं, इसे लॉ ऑफ की कोशिकाओं को ऑक्सीजन अच्छी उन्होंने कहा कि सफलता के लिए हमें



कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. आशा व अदिती सिंघल। सभा में उपस्थित हैं कॉलेज के लेक्चरर, प्रोफेसर व स्टूडेंट्स।

एकाग्र होकर किसी कार्य को करते हैं। एकाग्रता के विषय पर उन्होंने कहा कि एकाग्रता सही अर्थ में तब कहलाती है, जब हम जो सुनते हैं, उसे मन में देख पा

एसोसिएशन कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अगर हमें मेमोरी बढ़ानी है, तो एक समय में एक ही कार्य करना चाहिए। प्रत्येक कार्य के लिए

मात्रा में पहुंचता है। हमारे दिमाग में 1 ट्रिलियन कोशिकाएं हैं और प्रत्येक कोशिका में कई गुना मेमोरी स्टोर होती है। हमारे दिमाग के अन्दर 500

स्वयं पर विश्वास होना बहुत आवश्यक है, जैसा हम अपने बारे में सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं। राजयोग एक ऐसी विधि है, जिसमें कि हम बाहर की दुनिया से

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारी ज्युरिस्ट विंग, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क ‘ओमशान्ति मीडिया’ के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)

Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th March 2016

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारी ज्युरिस्ट विंग प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।